PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ३

नदियाँ चले, चले समय की धारा

Author: Parinita Shetty
Illustrator: Sunaina Coelho
Translator: Manohar Notani

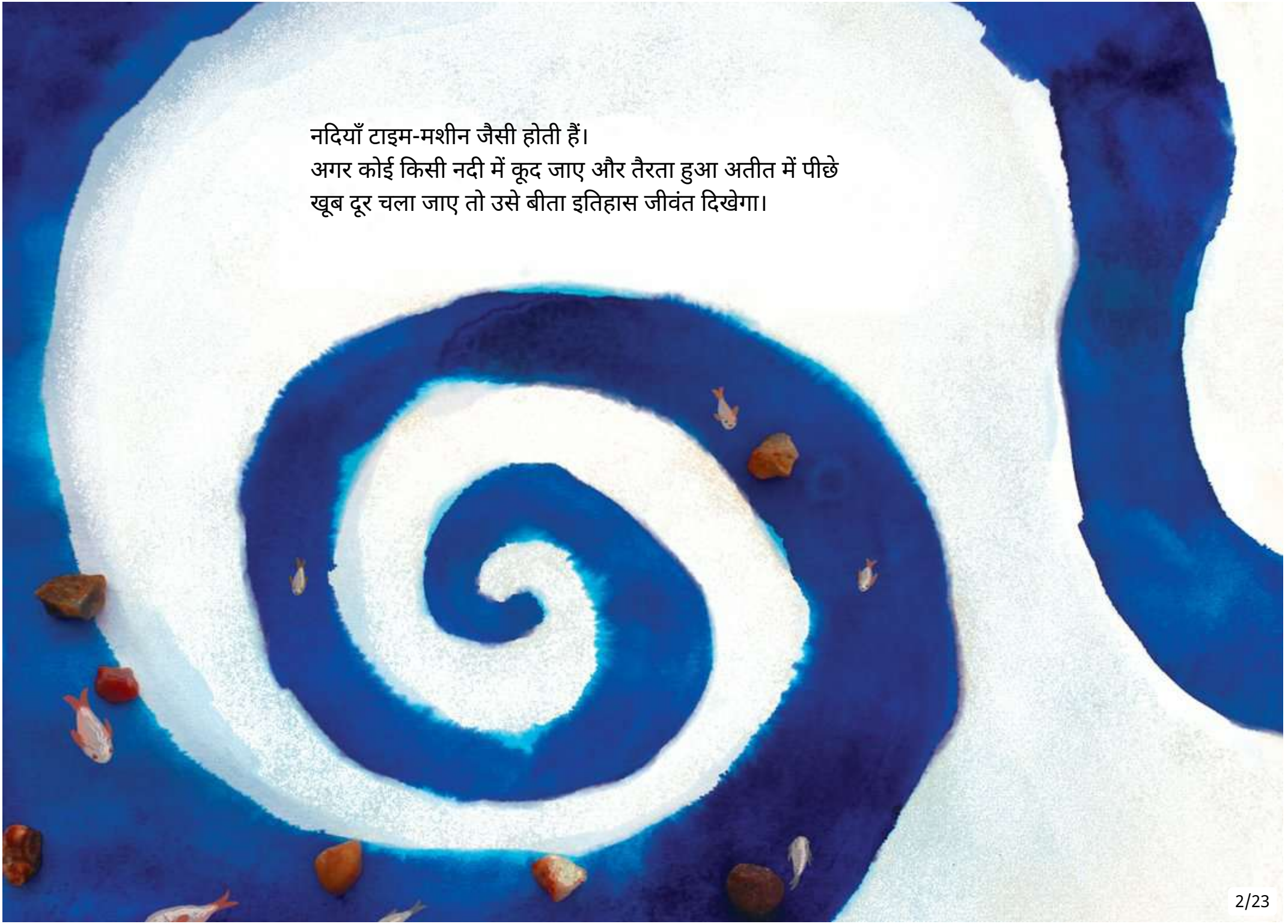

नदियाँ टाइम-मशीन जैसी होती हैं।
अगर कोई किसी नदी में कूद जाए और तैरता हुआ अतीत में पीछे
खूब दूर चला जाए तो उसे बीता इतिहास जीवंत दिखेगा।

कोई दो नदियाँ एक-सरीखी नहीं होतीं। समय और जगह के हिसाब से उनकी भाव-भंगिमा बदलती रहती है।

कुछ नदियाँ सर्दियों में शांत होती हैं।

कुछ नदियाँ गर्मियों में सिमटी और लजीली होती हैं।

कुछ नदियाँ बरसात में गुस्से से उफनने लगती हैं।

नदी गेहुँई, साँवली, काली, नीली, हरी या कई अन्य रंगों की हो सकती है। वे अपने आस-पास के परिवेष और उनके भीतर धुली और छुपी चीज़ों के हिसाब से रंग बदलती हैं।

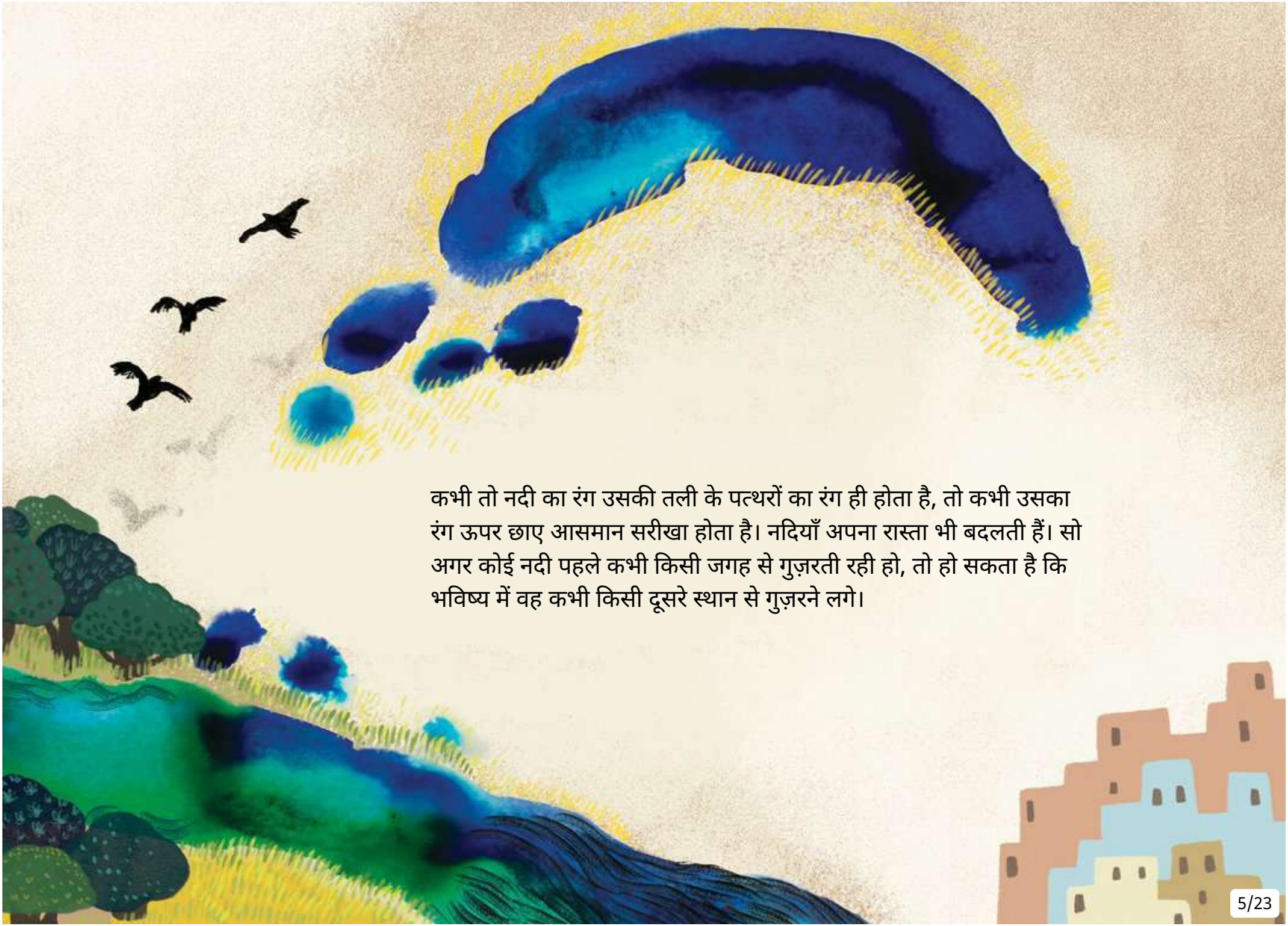

कभी तो नदी का रंग उसकी तली के पत्थरों का रंग ही होता है, तो कभी उसका रंग ऊपर छाए आसमान सरीखा होता है। नदियाँ अपना रास्ता भी बदलती हैं। सो अगर कोई नदी पहले कभी किसी जगह से गुज़रती रही हो, तो हो सकता है कि भविष्य में वह कभी किसी दूसरे स्थान से गुज़रने लगे।

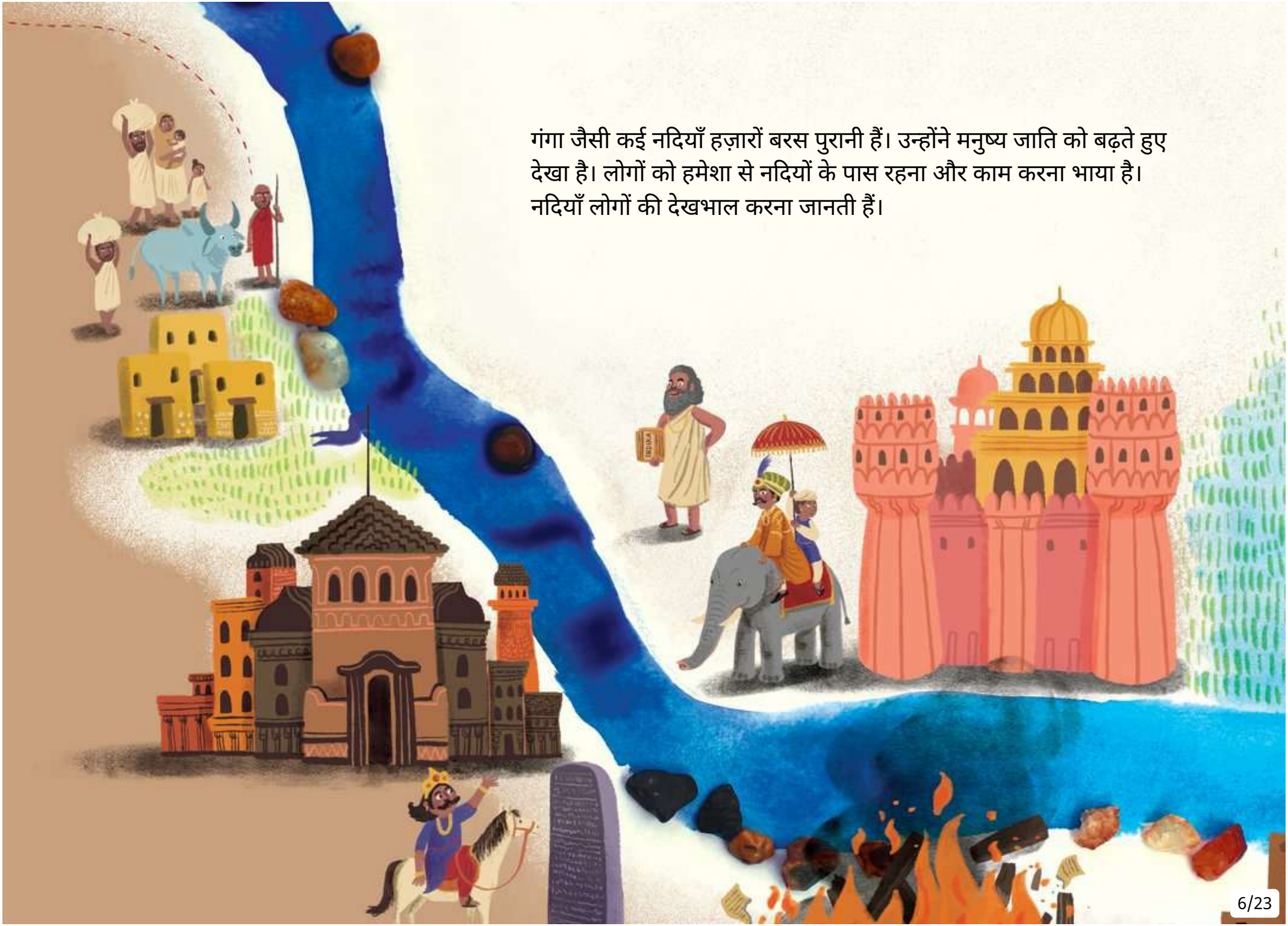

गंगा जैसी कई नदियाँ हज़ारों बरस पुरानी हैं। उन्होंने मनुष्य जाति को बढ़ते हुए देखा है। लोगों को हमेशा से नदियों के पास रहना और काम करना भाया है। नदियाँ लोगों की देखभाल करना जानती हैं।

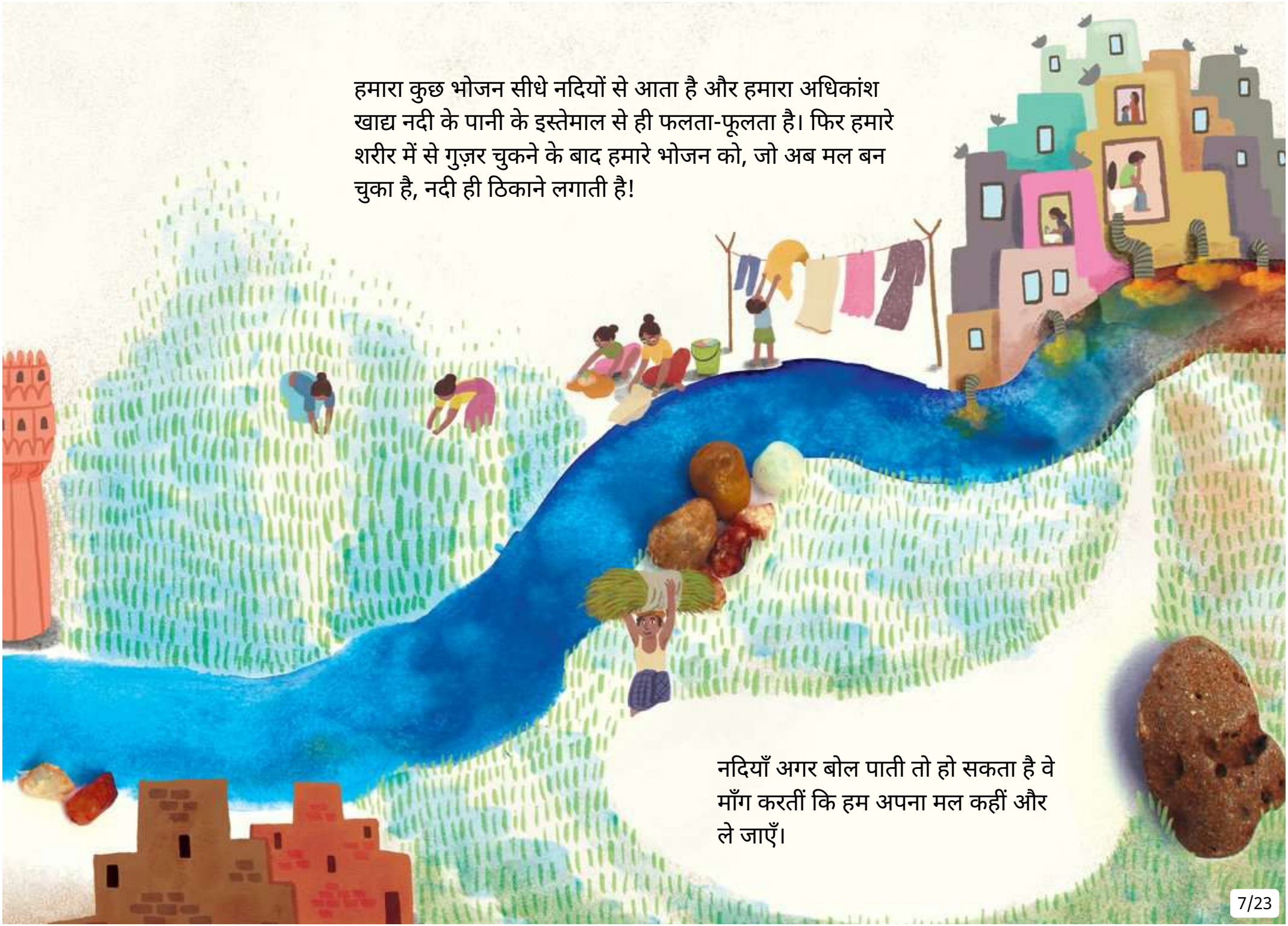
हमारा कुछ भोजन सीधे नदियों से आता है और हमारा अधिकांश खाद्य नदी के पानी के इस्तेमाल से ही फलता-फूलता है। फिर हमारे शरीर में से गुज़र चुकने के बाद हमारे भोजन को, जो अब मल बन चुका है, नदी ही ठिकाने लगाती है!
नदियाँ अगर बोल पाती तो हो सकता है वे माँग करतीं कि हम अपना मल कहीं और ले जाएँ।

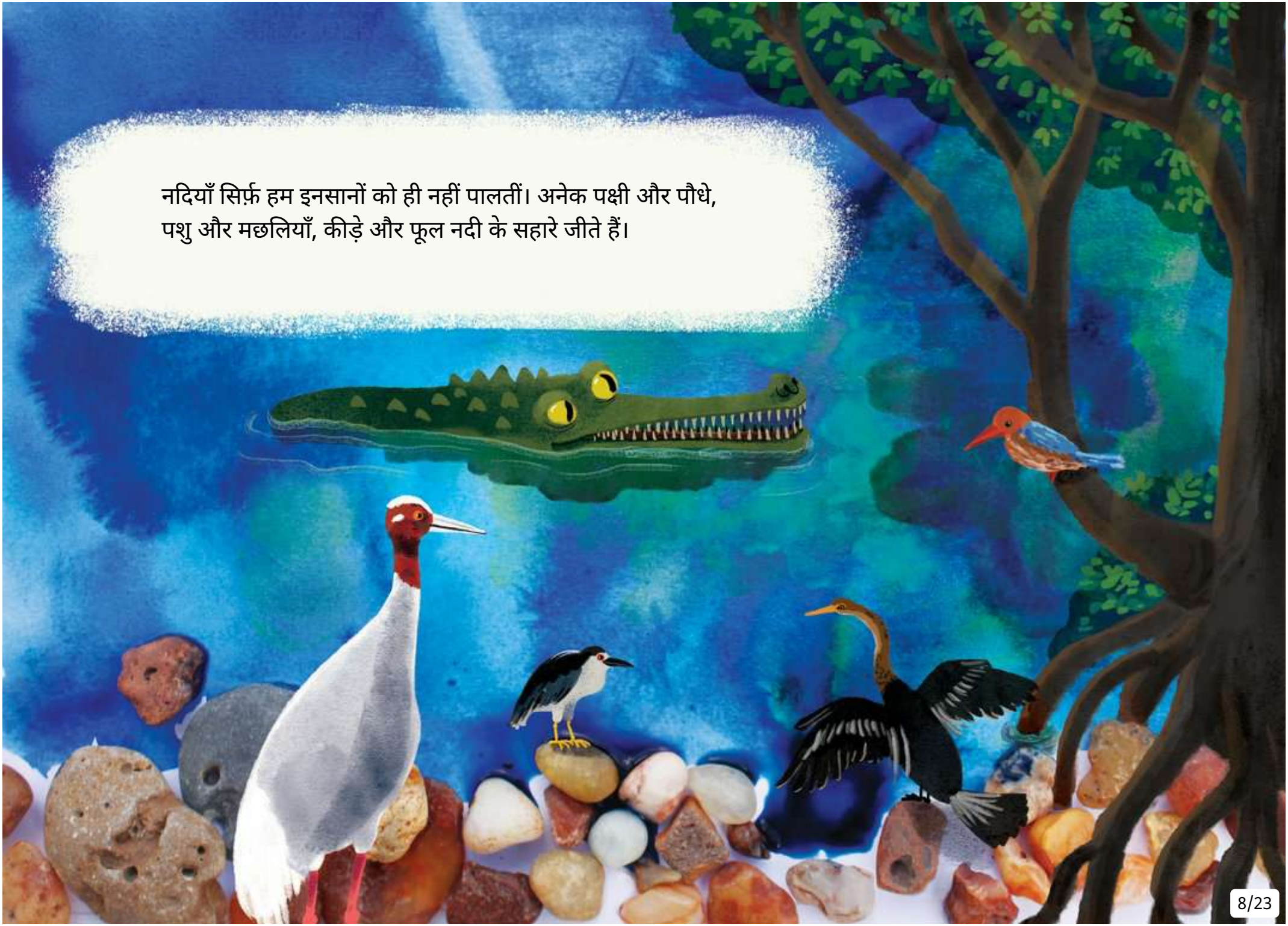
नदियाँ सिर्फ़ हम इनसानों को ही नहीं पालतीं। अनेक पक्षी और पौधे,
पशु और मछलियाँ, कीड़े और फूल नदी के सहारे जीते हैं।

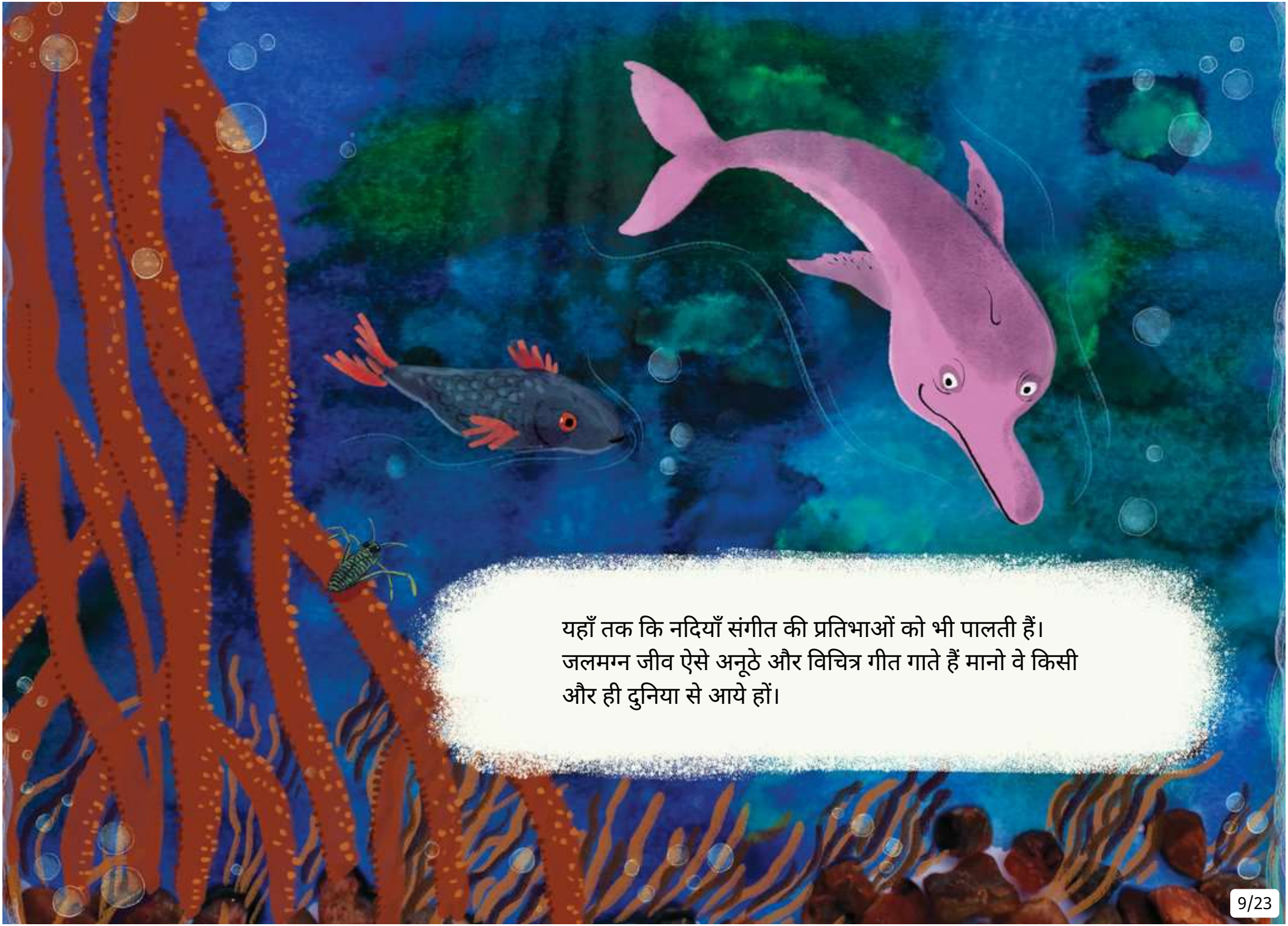
यहाँ तक कि नदियाँ संगीत की प्रतिभाओं को भी पालती हैं।
जलमग्न जीव ऐसे अनूठे और विचित्र गीत गाते हैं मानो वे किसी
और ही दुनिया से आये हों।

हमारे देश इंडिया का नाम भी एक नदी के नाम पर ही पड़ा। हमारे देश को नाम देने के अलावा सिंधु यानी इंडस नदी दुनिया की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक ‘सिंधु घाटी की सभ्यता’ का घर भी रही है। सिंधु नदी के चलते ही हमारे पूर्वजों ने इस देश में अनेक गाँव, कस्बे और नगर बसाए।

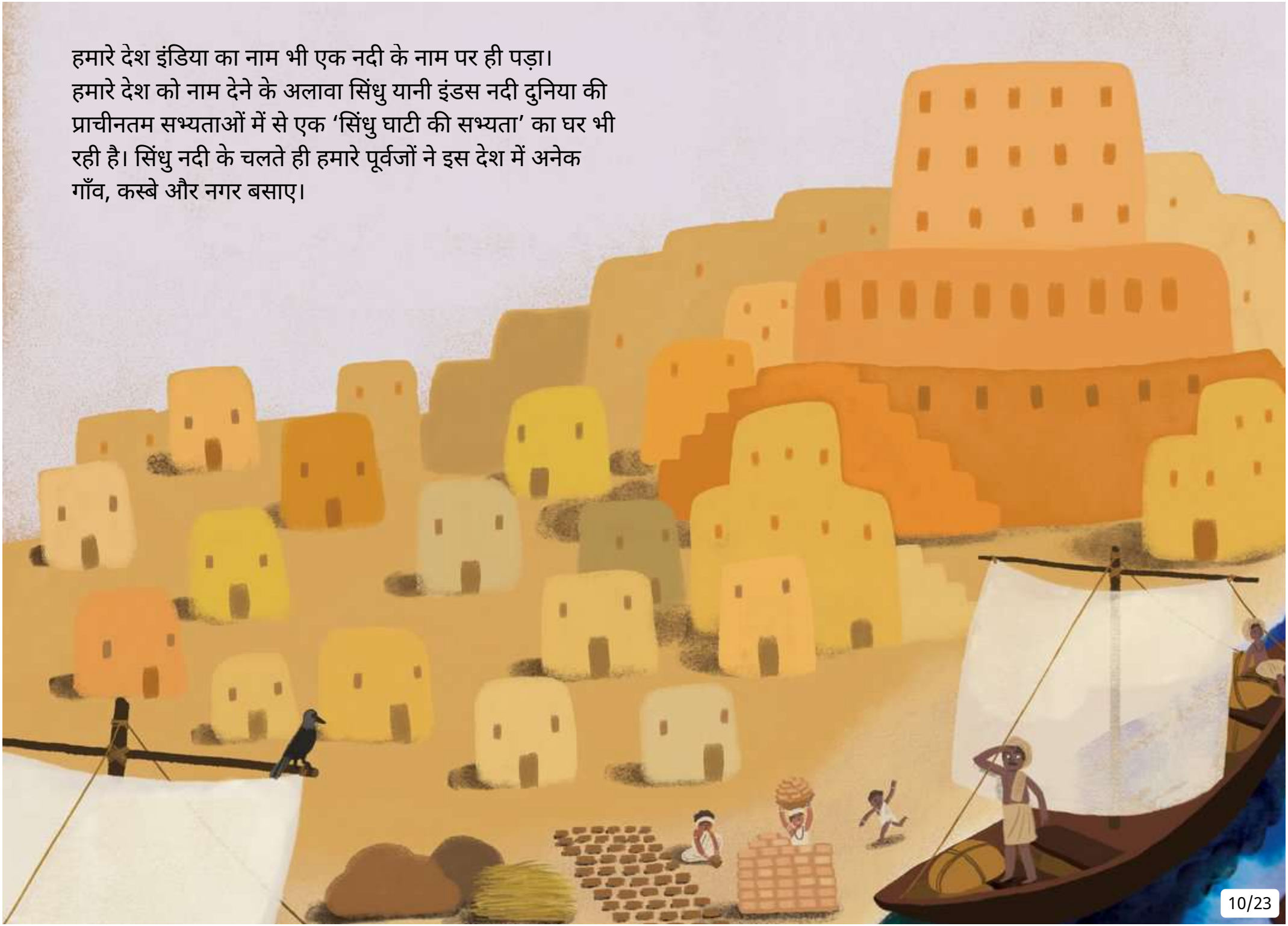

नदी से ही वे लोग पास और दूर की यात्राएँ कर सके और चीज़ों की खरीद-बिक्री कर सके।

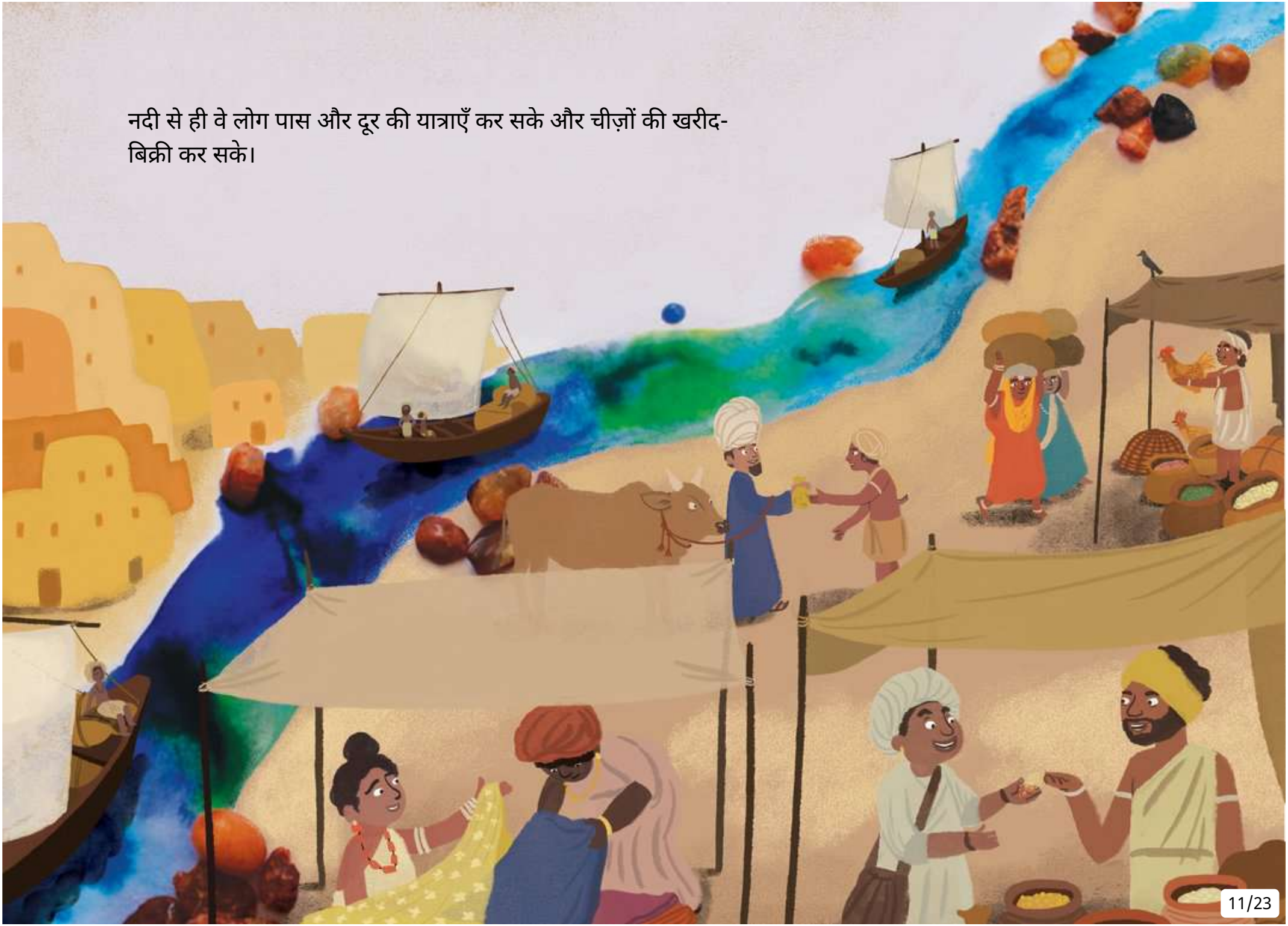

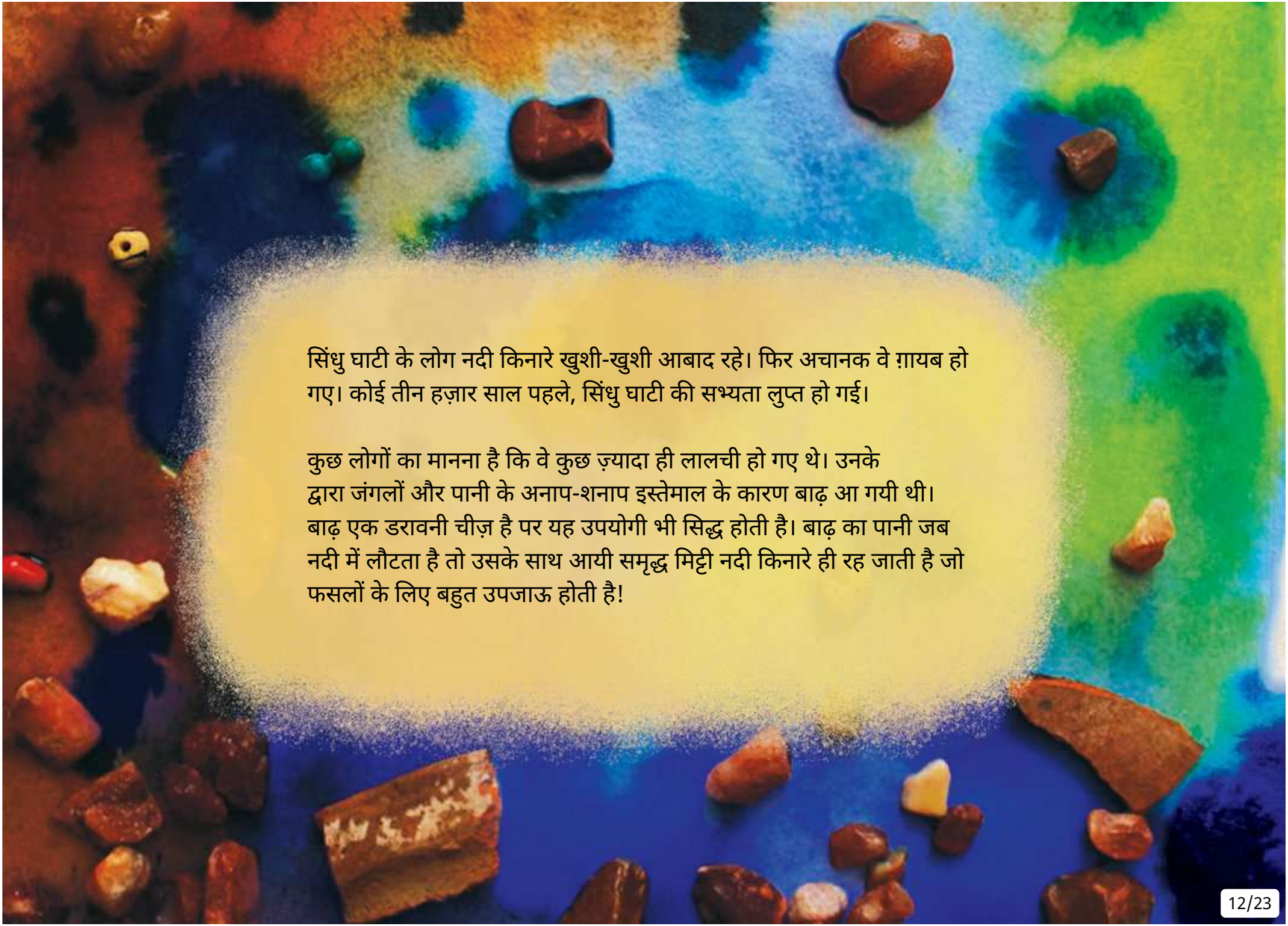
सिंधु घाटी के लोग नदी किनारे खुशी-खुशी आबाद रहे। फिर अचानक वे ग़ायब हो गए। कोई तीन हज़ार साल पहले, सिंधु घाटी की सभ्यता लुप्त हो गई।
कुछ लोगों का मानना है कि वे कुछ ज़्यादा ही लालची हो गए थे। उनके द्वारा जंगलों और पानी के अनाप-शनाप इस्तेमाल के कारण बाढ़ आ गयी थी। बाढ़ एक डरावनी चीज़ है पर यह उपयोगी भी सिद्ध होती है। बाढ़ का पानी जब नदी में लौटता है तो उसके साथ आयी समृद्ध मिट्टी नदी किनारे ही रह जाती है जो फसलों के लिए बहुत उपजाऊ होती है!

लेकिन बाढ़ जीवन और इमारतें भी नष्ट कर सकती है। गुस्सैल नदियाँ लोगों को डराती हैं। पुराने लोगों का सोचना था कि गीतों, प्रार्थनाओं और उपहारों से नदियों को शांत भी किया जा सकता है। लेकिन यह तरीका अक्सर उतना कारगर साबित नहीं हुआ।

नदी के समय-चक्र में पीछे से चलकर हम अगर लौटकर वर्तमान में पहुँचें बीते युग की कुछेक चीज़ें जानी-पहचानी लगेंगी।
आज भी नदियों का इस्तेमाल खाद्य उत्पादन और आने-जाने के लिए होता है। लोग नदियों को जोड़ने के लिए नहरें बनाते हैं और फिर उन लोगों तक पानी ले जाते हैं जो नदी किनारे नहीं रहते। इस प्रकार नदियों पर सफर करना आसान हो जाता है।

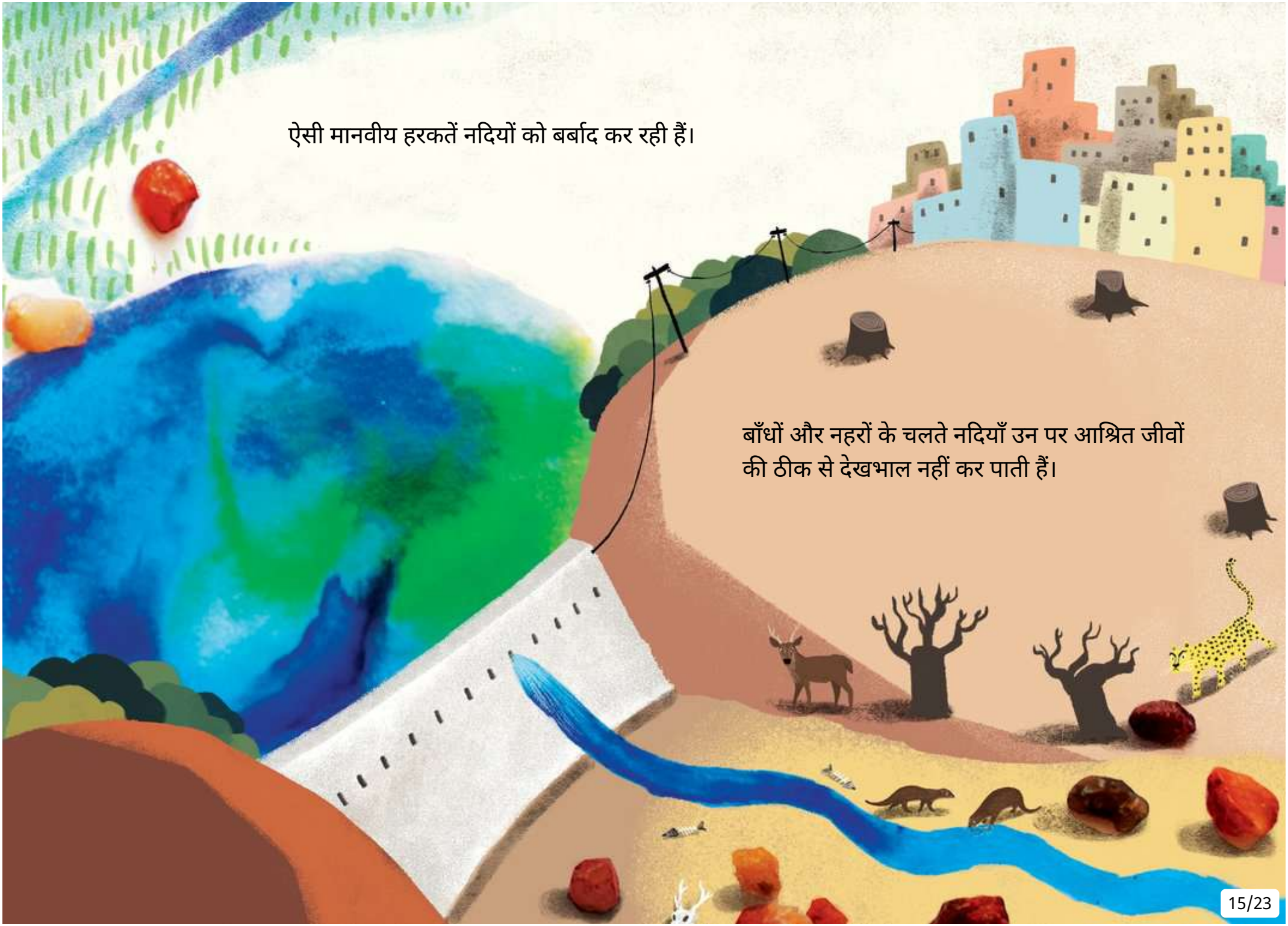
ऐसी मानवीय हरकतें नदियों को बर्बाद कर रही हैं।
बाँधों और नहरों के चलते नदियाँ उन पर आश्रित जीवों की ठीक से देखभाल नहीं कर पाती हैं।

बहुत से लोग यह नहीं जानते कि नदियाँ काम कैसे करती हैं, वे जीवित कैसे रहती हैं, और वे आख़िरकार मरती कैसे और क्यों हैं। कुछ इलाकों में, नदियाँ सूखकर रेगिस्तान-सी बन गयी हैं। कई जगहों पर हम लोग नदियों को कूड़ादान, गटर पाइप और प्लास्टिक डालने वाली पेटी की तरह इस्तमाल करते हैं।

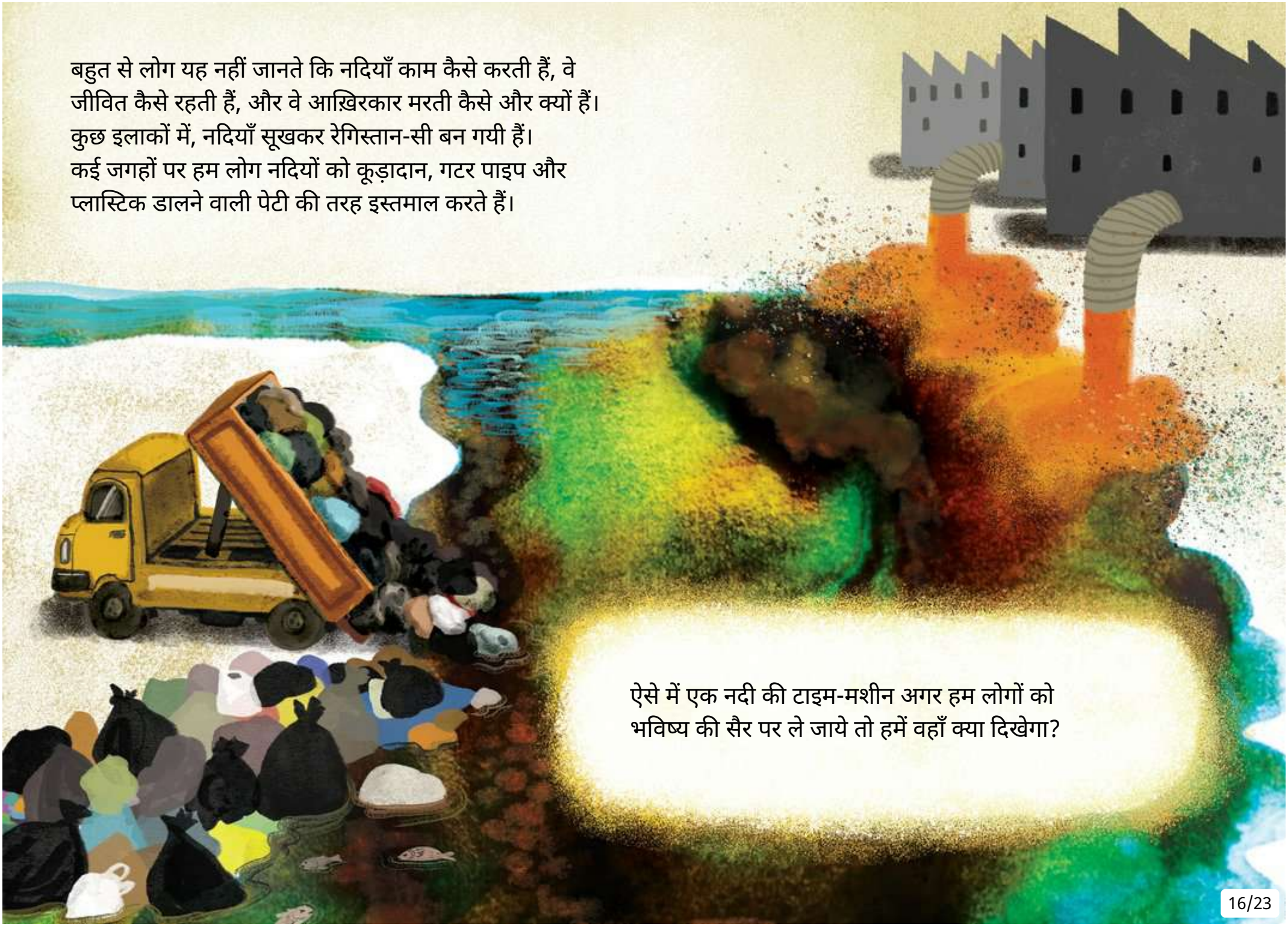

ऐसे में एक नदी की टाइम-मशीन अगर हम लोगों को भविष्य की सैर पर ले जाये तो हमें वहाँ क्या दिखेगा?

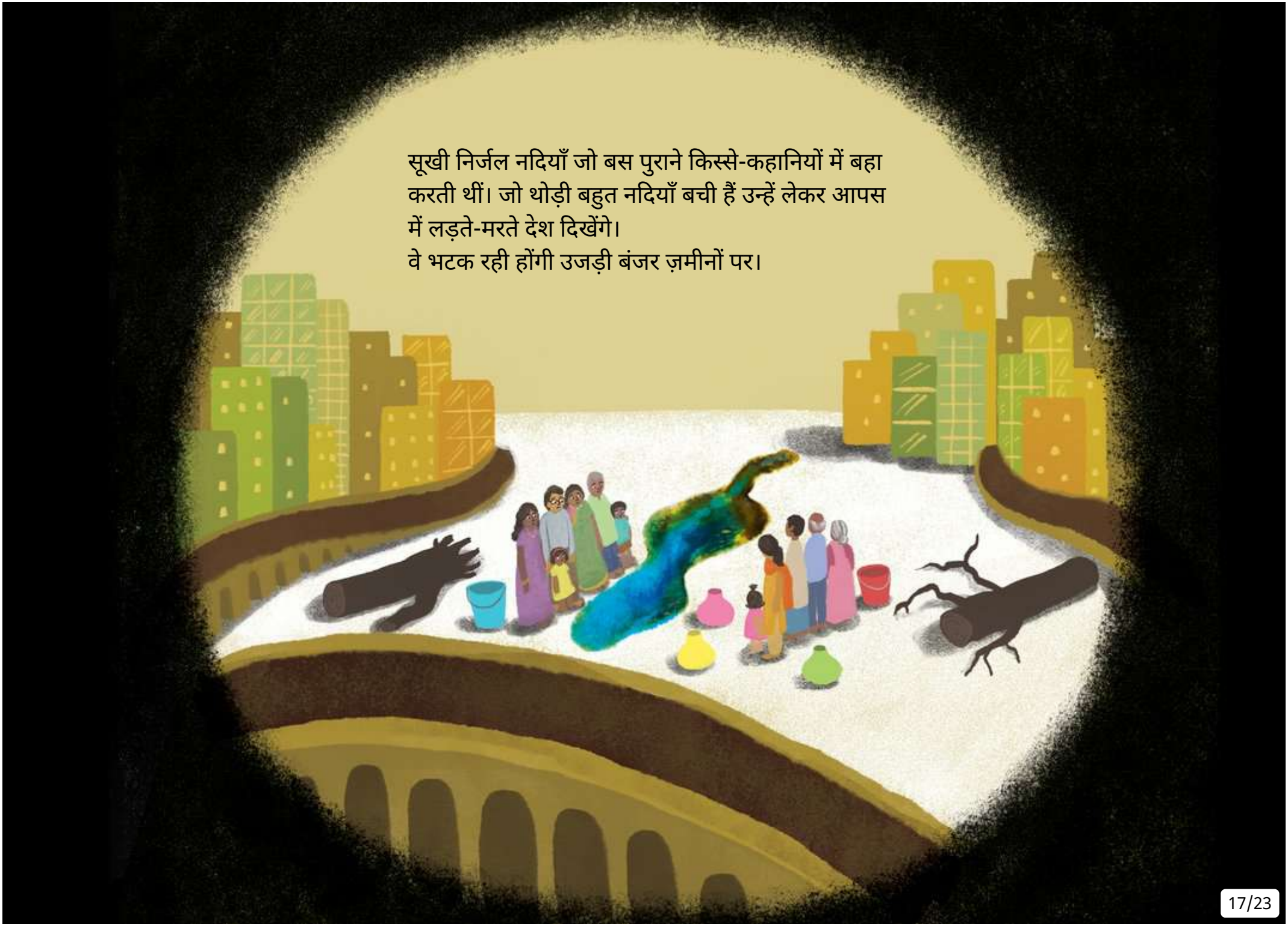
सूखी निर्जल नदियाँ जो बस पुराने किस्से-कहानियों में बहा करती थीं। जो थोड़ी बहुत नदियाँ बची हैं उन्हें लेकर आपस में लड़ते-मरते देश दिखेंगे।
वे भटक रही होंगी उजड़ी बंजर ज़मीनों पर।

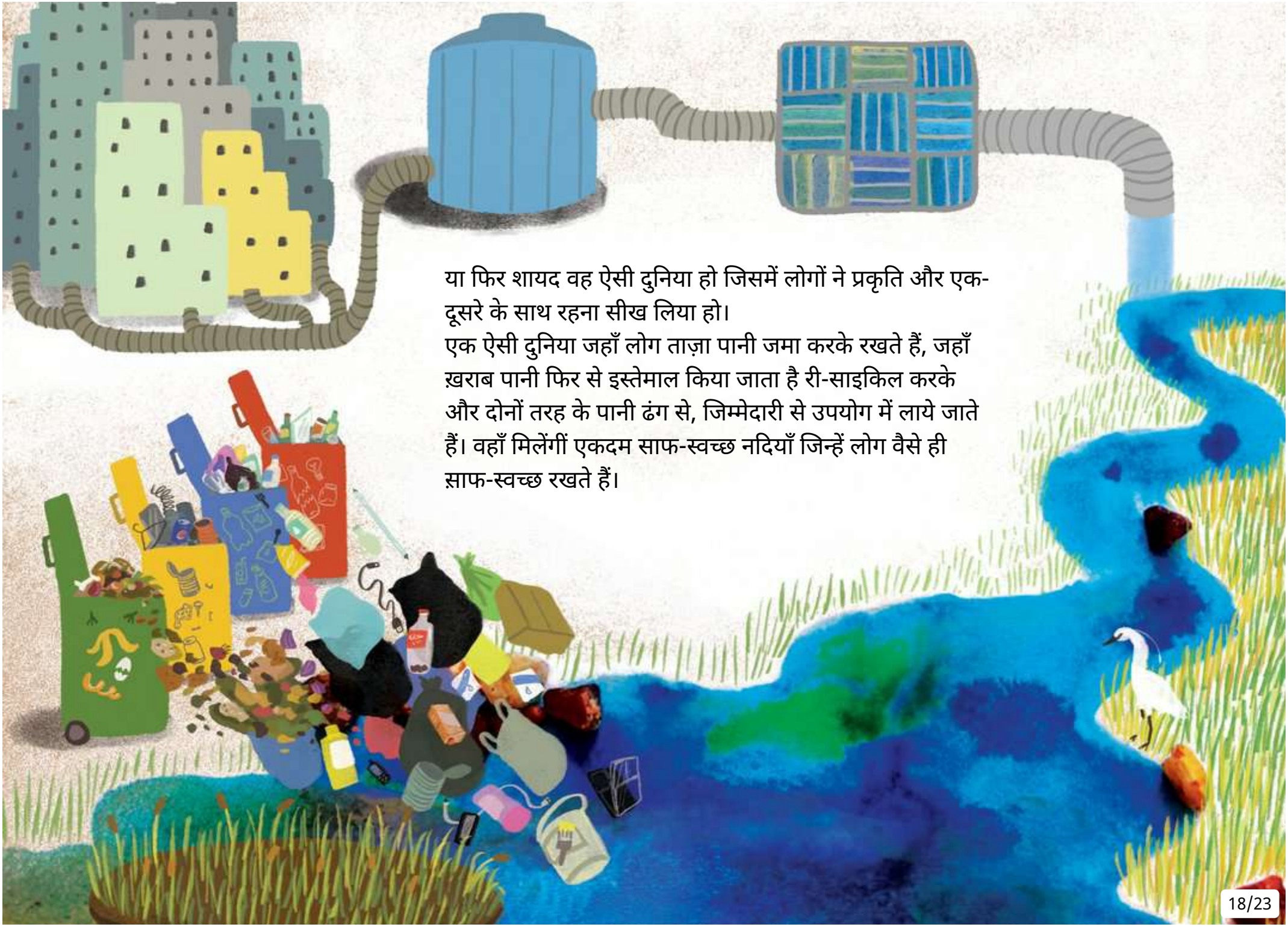

या फिर शायद वह ऐसी दुनिया हो जिसमें लोगों ने प्रकृति और एक-दूसरे के साथ रहना सीख लिया हो।
एक ऐसी दुनिया जहाँ लोग ताज़ा पानी जमा करके रखते हैं, जहाँ ख़राब पानी फिर से इस्तेमाल किया जाता है री-साइकिल करके और दोनों तरह के पानी ढंग से, जिम्मेदारी से उपयोग में लाये जाते हैं। वहाँ मिलेंगीं एकदम साफ-स्वच्छ नदियाँ जिन्हें लोग वैसे ही स़ाफ-स्वच्छ रखते हैं।

दूसरा वाला भविष्य असंभव नहीं है। पहले भी, हमारे कौशल और तकनीक के चलते मरी हुई नदियाँ वापस ज़िन्दा हुई हैं। नदियों ने हज़ारों सालों से हमें पाला-पोसा है। अब कुछ लोग नदियों की सेहत की चिन्ता करने लगे हैं।

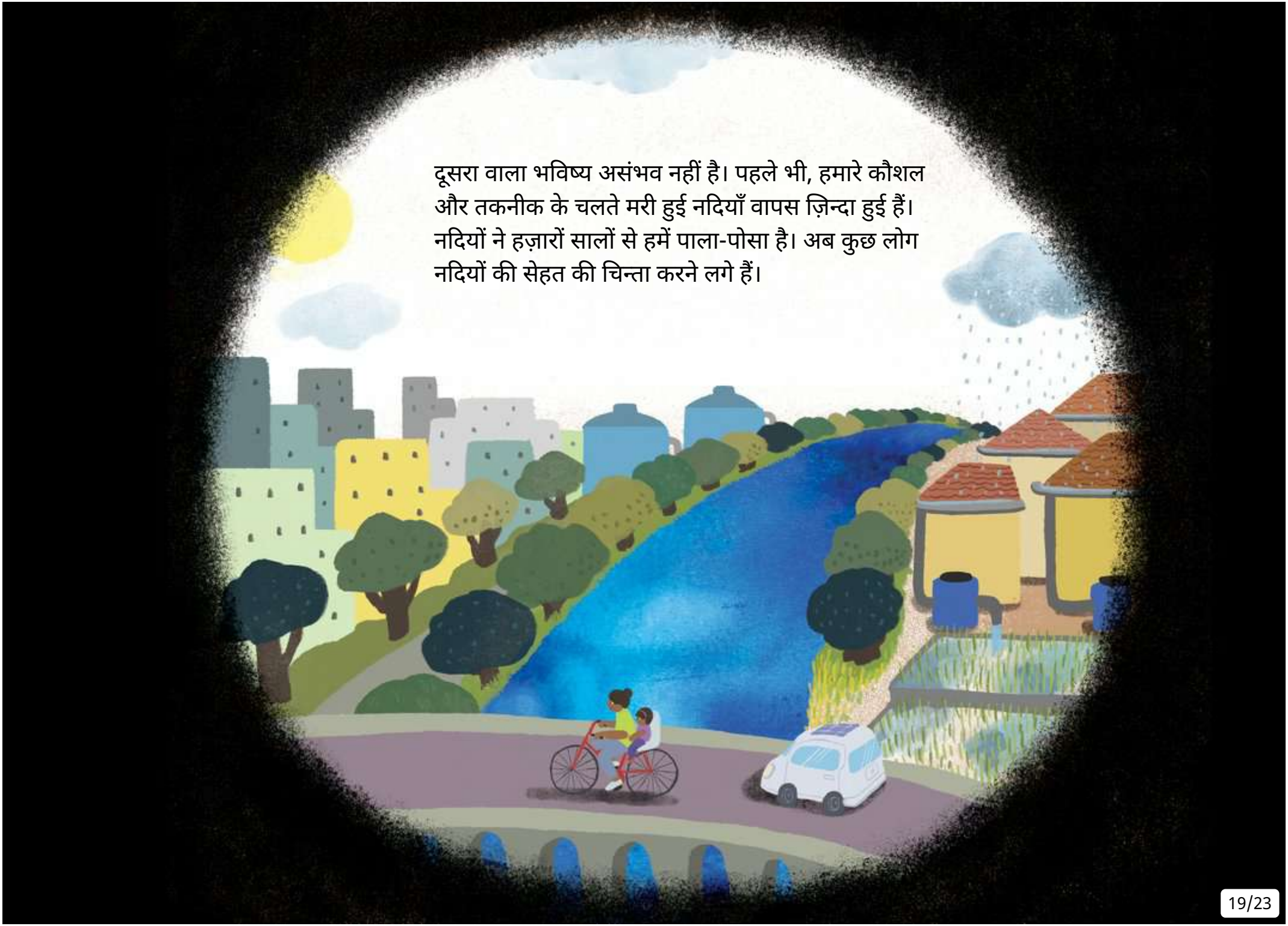

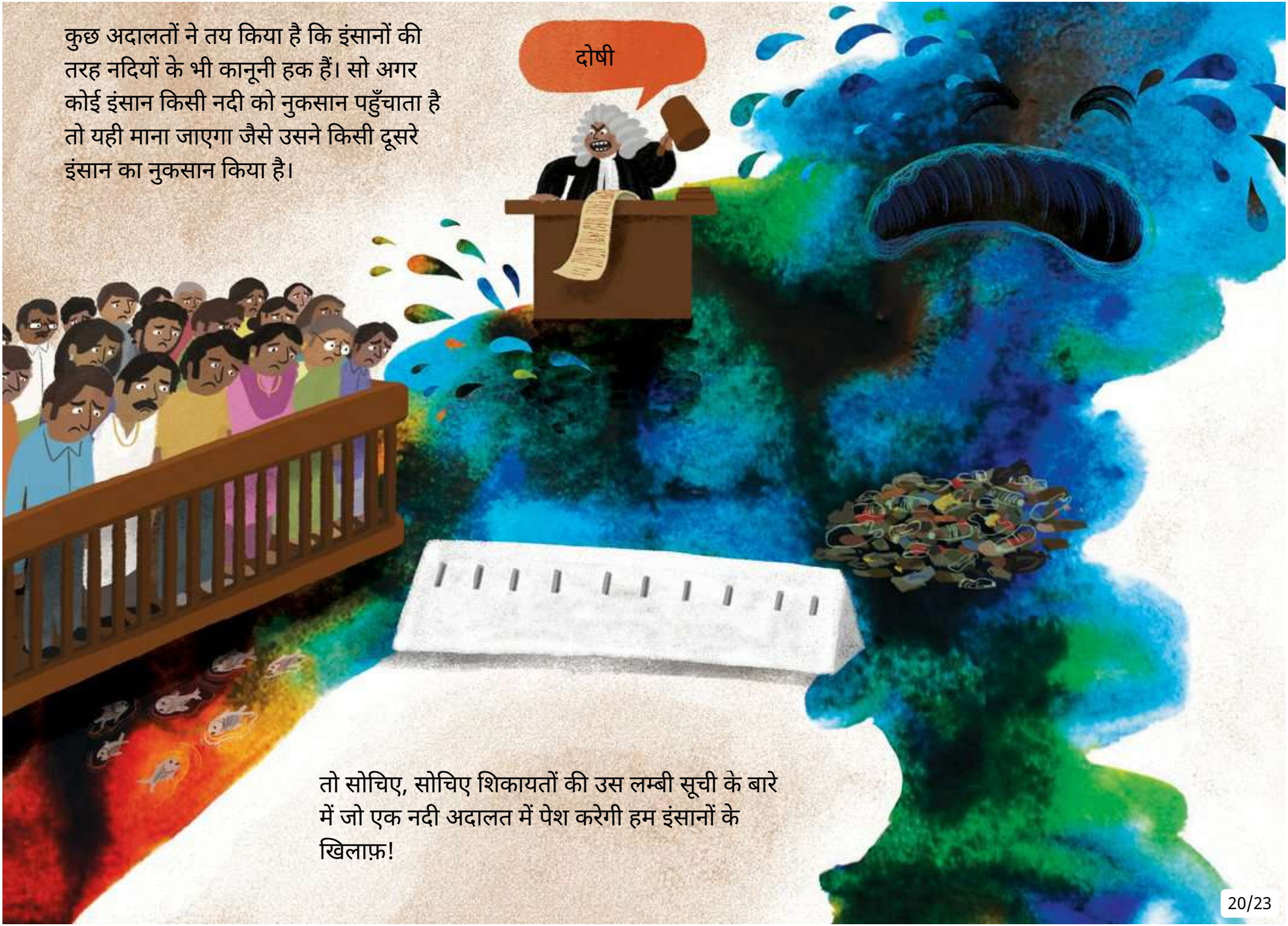
कुछ अदालतों ने तय किया है कि इंसानों की तरह नदियों के भी कानूनी हक हैं। सो अगर कोई इंसान किसी नदी को नुकसान पहुँचाता है तो यही माना जाएगा जैसे उसने किसी दूसरे इंसान का नुकसान किया है।
दोषी
तो सोचिए, सोचिए शिकायतों की उस लम्बी सूची के बारे में जो एक नदी अदालत में पेश करेगी हम इंसानों के खिलाफ़!

अपने लिए एक बेहतर भविष्य की माँग को लेकर बच्चे सड़क पर उतरने लगे हैं।
सन २०१५ में, ११ साल की स्टेला बॉल्स ने अभियान छेड़ा कि स्थानीय सरकार प्रदूषित नदी को साफ करे – और उन्हें नदी साफ करनी पड़ी! बड़े लोग भी अब बच्चों की सुनने लगे हैं।

दुनिया भर के बच्चे बड़ों से बेहतर भविष्य के लिए स्वस्थ्य दुनिया हेतु पर्यावरण और नदी की रक्षा की माँग कर रहे हैं। वैसे भी हमारे पास यही तो इकलौती दुनिया है।

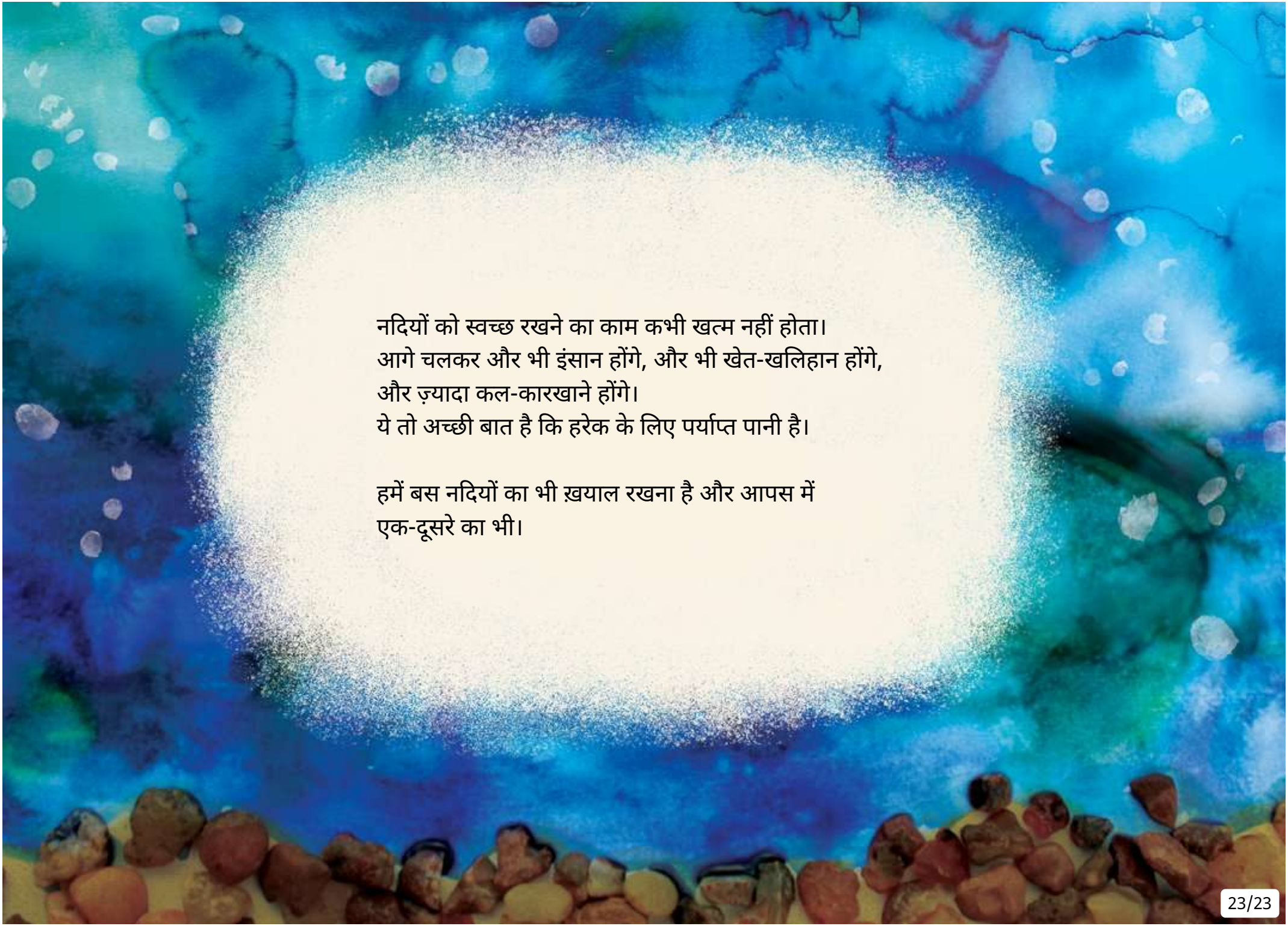
नदियों को स्वच्छ रखने का काम कभी खत्म नहीं होता।
आगे चलकर और भी इंसान होंगे, और भी खेत-खलिहान होंगे,
और ज़्यादा कल-कारखाने होंगे।
ये तो अच्छी बात है कि हरेक के लिए पर्याप्त पानी है।
हमें बस नदियों का भी ख़याल रखना है और आपस में
एक-दूसरे का भी।

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: नदियाँ चले, चले समय की धाराis translated by Manohar Notani . The © for this translation lies with Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'The Time-Travelling River', by Parinita Shetty . © Pratham Books , 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Nadiyan Chale, Chale Samay Ki Dhara' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by CISCO. www.prathambooks.org. Guest Editor for the original story: Sanjana Kapur, Guest Art Director: Maithili Doshi.

Images Attributions:

Cover page: A river flowing , by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: a river in a swirl by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Three weather scenes, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: A river passing through the mountains, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Birds in the sky, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: A river passing through a city, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: People washing clothes in the river, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: A river with a crocodile, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: A dolphin in the river, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: A city with a boat, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: A marketplace, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: A brown patch against blue, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: a paddy field and an ancient god, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: A river passing through paddy fields, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: A river flowing through a dam, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: A factory's toxic sludge, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: People cutting trees, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: a river with pollutants, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: river in a city, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: river versus the people, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: A girl in front of a placard, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 22: The earth with speech bubbles around it, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 23: A patch on blue, by Sunaina Coelho © Pratham Books, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

नदियाँ चले, चले समय की धारा

(Hindi)

कल्पना कीजिये, भूत, वर्तमान और भविष्य से जुड़ीं उन सभी कहानियों की जो एक नदी हमें सुना सकती है! नदियाँ तब भी थीं जब मनुष्य फसले उगाना सीख रहे थे। वे तब भी थीं, जब मनुष्य ने नगर बनाने शुरू किये। वे आज भी हैं और हमें पानी, खाना और आजीविका देती हैं। पर उनके साथ कूड़ेदान जैसा व्यववहार भी किया जा रहा है। नदियाँ हमारी देखभाल करना जानती हैं लेकिन अगर हमें उनका और अपना अच्छा भविष्य चाहिए तो समय आ गया है कि हम उनकी भरपूर देखरेख करें।

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!

This book is shared online by Free Kids Books at https://www.freekidsbooks.org
in terms of the creative commons license provided by the publisher or author.

Want to find more books like this?

https://www.freekidsbooks.org

Simply great free books -

Preschool, early grades, picture books, learning to read,
early chapter books, middle grade, young adult,
Pratham, Book Dash, Mustardseed, Open Equal Free, and many more!

Always Free – Always will be!

Legal Note:

This book is in CREATIVE COMMONS - Awesome!! That means you can share, reuse it, and in some cases republish it, but only in accordance with the terms of the applicable license (not all CCs are equal!), attribution must be provided, and any resulting work must be released in the same manner.

Please reach out and contact us if you want more information: https://www.freekidsbooks.org/about

Image Attribution: Annika Brandow, from You! Yes You! CC-BY-SA.
This page is added for identification.